

निद्रा बेच दूँ कोई ले तो देसी भजन लिरिक्स



निद्रा बेच दूँ कोई ले तो,
दोहा – सुता सुता काँई करो,
सुता आवे नींद।
काल सिराणे आय खड़ो,
ज्यू तोरण आयो बींद।bd।
नींद निशानी मौत की,
ऊठ कबीरा जाग।
और रसायण छोड़ के,
एक राम रसायण लाग।bd।

निद्रा बेच दूँ कोई ले तो,
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दूँ कोई ले तो।bd।

भाव राख सत्संग में जाओ,
चित में राखो चेतो,
हाथ जोड़ चरणों में लिपटू,
जे कोई सन्त मिले तो,
निद्रा बेच दूँ कोई ले तो।
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दूँ कोई ले तो।bd।

पाई की मण पाँच बेच दूँ,
जे कोई ग्राहक हो तो,
पाँचों में से चार छोड़ दूँ,
दाम रोकड़ा दे तो,
निद्रा बेच दूँ कोई ले तो।
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दूँ कोई ले तो।bd।

के जाओ तुम राज द्वारे,
के रसिया रस भोगी,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



म्हारों लारों छोड़ बावळी,
मैं हूँ रमतो जोगी,
निद्रा बेच दू कोई ले तो।
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दू कोई ले तो। **bd।**

बैठ सभा में मिथ्या बोले,
निंदिया करे पराई,
वो घर हमने तुमको सौपा,
जाजे बिना बुलाई,
निद्रा बेच दू कोई ले तो।
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दू कोई ले तो। **bd।**

ऊँचे मंदिर देख के जाओ,
कामणी चँवर ढुलावे,
म्हारे संग क्या लेगी बावळी,
पत्थर में दुःख पावे,
निद्रा बेच दू कोई ले तो।
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दू कोई ले तो। **bd।**

कहे भरथरी सुण म्हारी निद्रा,
यहाँ नहीं तेरा वासा,
मैं तो म्हारे गुरु भरोसे,
राम मिलण री आशा,
निद्रा बेच दू कोई ले तो।
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दू कोई ले तो। **bd।**

निद्रा बेच दू कोई ले तो,
रामो राम रटे तो तेरो,
माया जाल कटेगो,
निद्रा बेच दू कोई ले तो। **bd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



गायक – सांवरमल जी सैनी ।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पंवार ।
आकाशवाणी सिंगर
9785126052
